



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 10, 1991/अश्विन 18, 1913
No. 42] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 10, 1991/ASVINA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय नौवहन ऋण तथा निवेश कंपनी मर्यादित

(नौवहन विकास निधि समिति (उत्पादन) अधिनियम, 1986 (संशोधित)

के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के अधिष्ठा विधि के रूप में,

आदेश

बम्बई, 27 सितम्बर, 1991

सं. 3/61/87. एस/एफ 463) एस.सी.आई.सी.आई/धारा 10.—यतः भारतीय नौवहन ऋण
तथा निवेश कंपनी मर्यादित (जिसे इसके बाद एस.सी.आई.सी.आई. कहा गया है) नौवहन

विकास निधि समिति (उत्पादन) अधिनियम 1986 (जिसे इसके बाद “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 16 के अंतर्गत “अभिहित व्यक्ति” है।

और यह सिंदिया स्टीम नाविकेशन कंपनी मर्यादित (जिसे इसके बाद “उक्त कंपनी” कहा गया है) जो कंपनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत एक सार्वजनिक मर्यादित कंपनी है और जिसका पंजीकृत कार्यालय सिंदिया भवन, नगोत्तम मोरारजी मार्ग, बालाई स्टेट, मुंबई-400 038 है, का निर्देशक बोर्ड एस.सी.आई.सी.आई द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 10 के अंतर्गत नियुक्त किए गये निर्देशकों में संघटित है।

और यह उक्त निर्देशक बोर्ड के निम्ने श्री पी. वी. मैदा को श्री एस. पार्थसारथी के स्थान पर नियुक्त किया गया है।

अतः अब इस परिवर्तन को वास्तविक रूप देने के लिये तथा उक्त अधिनियम की धारा 10 के उपबंधों के अनुसरण में तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत रिसीवर को नियुक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, एतद्वारा यह आदेश दिया जाता है और घोषणा की जाती है कि-

(1) श्री पी. वी. मैदा अब श्री एस. पार्थसारथी के स्थान पर कार्य करेंगे।

यह आदेश राजपत्र में अधिसूचित होते ही तत्काल प्रभावी हो जायेगा।

आदेश से,

भारतीय नौबहन ऋण तथा निदेश कंपनी मर्यादित

वाई. एस. शाह, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

THE SHIPPING CREDIT AND INVESTMENT COMPANY OF INDIA LIMITED

(As designated person on behalf of India under the Shipping Development
Fund Committee (Abolition) Act, 1986)

ORDER

Bombay, the September, 27, 1991

No. 3/61/87-SF/463/SCICI/SEC 10:—Whereas the Shipping Credit and Investment Company of India Limited (hereinafter “the SCICI”) is the ‘designated person’ within the meaning of Section 16 of the SDFC (Abolition) Act, 1986. (hereinafter “the said Act”);

And whereas the Board of Directors (hereinafter “the said Board”) of THE SCINDIA STEAM NAVIGATION COMPANY LIMITED. (hereinafter “the said Company”), a public company within the meaning of the Companies Act,

1956 and having its Registered Office at Scindia House, Narottam Morarjee Marg, Ballard Estate Bombay 400 038 is constituted of Directors who have been appointed by the SCICI in terms of Section 10 of the said Act:

And whereas it has been decided to appoint and substitute Shri P.V. Maiya on the said board in place of the Director Shri S. Parthasarathy.

Now therefore in order to give effect to the aforesaid change and in pursuance of the provisions of Section 10 of the said Act, and without prejudice to the appointment of a Receiver under Section 9 of the said Act, IT IS HEREBY ORDERED AND DECLARED that:

(i) Shri P.V. Maiya will act as a Director in place of Shri S. Parthasarathy;

This Order shall come into force immediately upon it being notified in the Official Gazette.

Dated at Bombay 27th day of September 1991

By Order,

for the Shipping Credit and
Investment Company of India Limited,
Y. S. SHAH Authorised Signatory

